

वन अधिकार मान्यता पत्र वितरण की सूची एवं कलेक्टर का अनापत्ति
प्रमाण पत्र (यदि निरंक हो तो भी प्रमाणित होगा)

(भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली का पत्र क्रमांक/F.No. 11-9/1998-FC दिनांक 03.08.2009)

इस योजना हेतु भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली का पत्र क्रमांक/F.No. 11-9/1998-FC दिनांक 03.08.2009 के अनुसार प्रमाण पत्र प्रस्ताव संलग्न है।



(अमन कुमार सिंह)

महाप्रबंधक (कोर्पो अफयर्स)

रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड

रायपुर छत्तीसगढ़

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरबा (छ.ग.)

क्र./३४७८ / भू.अ./स.अ.भू.अ./2016

कोरबा दिनांक २५/११/२०१६

मेसर्स रिलायंस जिओ इंफोकॉम को आप्टिकल फायबर केबल बिछाने के कार्य हेतु कोरबा जिला में कोरबा वनमंडल के गुरसियां, बंजारी, मानिकपुर, लमना, पोड़ीउपरोड़ा, पर्ला, कोनकोना, तानाखार, चोटिया गांव के वन भूमि व्यपर्वतन हेतु ०.६८७ हेक्टेयर वन भूमि के प्रकरण में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, २००६ वन पालन प्रतिवेदन।

१. प्रमाणित किया जाता है कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, २००६ में नियत सम्पूर्ण प्रक्रिया का पालन कर अधिकारों को रथापित किया गया है तथा सम्पूर्ण प्रस्तावित क्षेत्र की वन भूमि ०.६८७ हेक्टेयर एवं राजस्व वन भूमि ०.०६९ हेक्टेयर (कुल भूमि ०.७५६ हेक्टेयर) जो इस कार्य हेतु व्यपर्वतित की जानी है तथा ग्राम गुरसियां, बंजारी, मानिकपुर, लमना, पोड़ीउपरोड़ा, पर्ला, कोनकोना, तानाखार, चोटिया तहसील पोड़ीउपरोड़ा में स्थित है, में तदनुसार यह कार्यवाही पूर्ण की गयी है।

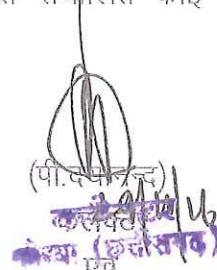
सहायक महानिरीक्षक वन भारत सरकार का पत्र क्र./११-९/९८ – एफ सी.(पी.टी.) वन एवं पर्यावरण मंत्रालय नई दिल्ली दिनांक ०५.०२.२०१३ के द्वारा जहाँ विलुप्तप्राय जनजाति समूह (पी.टी.जी.) एवं लृषि पूर्व समुदायों के मान्यता अधिकार शामिल न हों वहाँ सङ्क निर्माण, नहरों, पाईप लाईन, ऑप्टिकल फाइबर, बिछाव एवं संचरण लाईनों जैसी परियोजनाओं का गमन(रिखिक व्यपर्वतन) के लिए ग्राम सभा की सहमति की आवश्यकता से छूट दी गई है।

२. यह प्रमाणित किया जाता है कि संयुक्त सत्यापन प्रतिवेदन प्रस्ताव दिनांक ४.११.२०१६ अनुसार ऐसे विलुप्तप्राय जनजाति समूह(पी.टी.जी) के सदस्य व्यपर्वतन हेतु प्रश्नाधीन वन भूमि पर निवासरत नहीं है, जिनका वन अधिकार ”अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी(वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, २००६” की धारा ३ (१) (e) अंतर्गत विशेष रूप से संरक्षित रखना है।

३. संयुक्त सत्यापन प्रतिवेदन के दिनांक ४.११.२०१६ के संकल्पों के आधार पर यह प्रमाणित किया जाता है कि व्यपर्वतन के लिए प्रस्तावित वन भूमि पर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, २००६” की धारा ३ (२) अंतर्गत शासन द्वारा संचालित कोई सुविधा विद्यमान नहीं है।

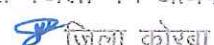
संलग्न— उपरोक्तानुसार

दिनांक



(पी.टी.जी.)
कलेक्टर
जिला कोरबा

अध्यक्ष—जिला वन अधिकार समिति

 जिला कोरबा

पृ.क्र./३४७९/ भू.अ./स.अ.भू.अ./2016

कोरबा दिनांक २५/११/२०१६

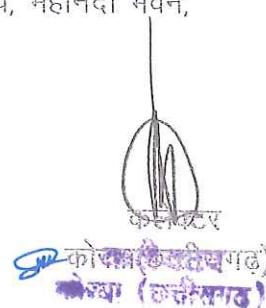
प्रतिलिपि:- १. सचिव, छोगो शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन,

नया रायपुर की ओर सादर सूचनार्थ।

२. वन मण्डलाधिकारी कटघोरा की ओर सूचनार्थ।

३. अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पोड़ीउपरोड़ा की ओर सूचनार्थ।

४. महाप्रबंधक, रिलायंस जिओ इंफोकॉम रायपुर की ओर सूचनार्थ।

कलेक्टर
जिला कोरबा